भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2648
12 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

पूर्वोत्तर राज्यों में एनवीबीडीसीपी का कार्यान्वयन

2648. श्रीमती एस. फान्गनॉन कोन्याक्:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) मंत्रालय, नागालैंड में वेक्टर जनित रोगों से किस प्रकार निपट रहा है, पूर्वोत्तर राज्यों में राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) का प्रभाव क्या रहा है;

(ख) क्या मंत्रालय बढ़ती सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या को दूर करने के लिए राज्यव्यापी टीकाकरण नयाचार को शामिल करने पर विचार कर रहा है;

(ग) यदि हां, तो सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों में समय से कार्यान्वयन एवं कवरेज सुनिश्चित करने के लिए कौन-कौन से कदम उठाए जा रहे हैं; और

(घ) पूर्वोत्तर राज्यों में रोगाणुरोधी प्रतिरोध को दूर करने हेतु क्या उपाय किए गए हैं तथा नागालैंड के अस्पतालों में निगरानी प्रणालियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीवीबीडीसी) पूर्वोत्तर राज्यों सहित देश में वेक्टर जनित रोगों जैसे मलेरिया, जापानी इंसेफेलाइटिस, डेंगू, चिकनगुनिया, कालाजार और लिम्फेटिक फाइलेरिया की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) नामक एक व्यापक प्रोग्राम का संचालन करता है।

पूर्वोत्तर राज्यों सहित देश में वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए अपनाई जाने वाली सामान्य रणनीतियां निम्नानुसार हैं:

- शीघ्र निदान और पूर्ण उपचार (डेंगू, चिकनगुनिया और जेई के लिए कोई विशिष्ट दवा उपलब्ध नहीं है)
- एकीकृत वेक्टर प्रबंधन (आईआरएस, एलएलआईएन, लार्वाभक्षी मछली, रासायनिक और जैविक लार्वानाशक, स्रोत में कमी)
- सहायक कार्यकलाप (टीकाकरण केवल जेई के लिए उपलब्ध है)
- एलएफ के लिए वार्षिक सार्वजनिक औषधि प्रशासन (एमडीए)
- व्यवहार परिवर्तन संवाद-संचार (बीसीसी) पहल।

एनसीवीबीडीसी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत, नागालैंड सहित सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय और तकनीकी सहायता भी प्रदान करता है। प्रत्येक राज्य के लिए अनुमोदित वार्षिक कार्यक्रम कार्यान्वयन योजना (पीआईपी) के माध्यम से यह सहायता प्रदान की जाती है। नागालैंड, वैश्विक कोष द्वारा समर्थित गहन मलेरिया उन्मूलन परियोजना-3 (आईएमईपी-3) के अंतर्गत एक परियोजना राज्य है।

(ख) और (ग): नागालैंड के 8 जिले (दीमापुर, कोहिमा, मोकोकचुंग, जुन्हेबोटो, वोखा, तुएनसांग, लोंगलेंग और नोक्लाक) जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई) के स्थानिक रोग क्षेत्र हैं और इन्हें नियमित टीकाकरण (आरआई) के अंतर्गत शामिल किया गया है। सभी जिलों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। दीमापुर के सिविल अस्पताल को भारत सरकार द्वारा निःशुल्क प्रदान की जाने वाली आईजीएम एलिसा किट के माध्यम से जेई के निदान के लिए प्रहरी निगरानी अस्पताल (एसएसएच) के रूप में नामित किया गया है।

(घ): राष्ट्रीय रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) की व्यापक स्कीम के अंतर्गत एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जिसके अंतर्गत एएमआर निगरानी और नियंत्रण कार्यकलाप के लिए मेडिकल कॉलेज प्रयोगशालाओं को चरणबद्ध तरीके से सुदृढ़ किया जा रहा है। एएमआर नियंत्रण के लिए निम्नलिखित कार्यकलाप किए जा रहे हैं:

- नेटवर्क प्रयोगशालाएँ एएमआर नियंत्रण के लिए विभिन्न कार्यकलाप संचालित करती हैं, जिनमें सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण रोगाणुओं के लिए गुणवत्तापूर्ण एएमआर निगरानी डेटा तैयार करना शामिल है।
- गुणवत्तापूर्ण एएमआर प्रयोगशाला परीक्षण सुनिश्चित करने के लिए प्रयोगशाला कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाता है।
- प्रयोगशालाएँ राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) में एएमआर-राष्ट्रीय संदर्भ प्रयोगशाला (एएमआर -एनआरएल) द्वारा आयोजित त्रैमासिक बाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन योजना (ईक्यूएएस) में भाग ले रही हैं।
- रोगाणुरोधी उपयोग की निगरानी और स्वास्थ्य सेवा से जुड़े संक्रमणों की निगरानी के लिए भी केंद्रों का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है।

वर्तमान में, एएमआर कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्वोत्तर राज्यों के 8 मेडिकल कॉलेज नेटवर्क में शामिल किए गए हैं। प्रयोगशालाओं को जनशक्ति की भर्ती, उपकरणों की खरीद, प्रयोगशाला उपभोग्य सामग्रियों और स्थानीय प्रशिक्षण के लिए निधि प्रदान की गई। नागालैंड राज्य में, एक एएमआर नेटवर्क साइट, अर्थात् नागालैंड आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईएमएसआर), कोहिमा, नागालैंड को वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल किया गया है।

******